सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 338 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 19 जनवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह स्मार्ट लोगों को यह सोचने के लिए बहकाता है कि वे हार नहीं सकते।

-बिल गेट्स

चीनी खिलाड़ी ने नागल को दिया... 7 | नीतीश कुमार ने बीजेपी को... 3 | शिवपाल यादव ने कारसेवकों... 2

# प्राण प्रतिष्ठा से पहले रामलला की मूर्ति पर छिड़ा विवाद

**कांग्रेस ने कहा-** बाल स्वरूप में नहीं है भगवान की मूर्ति

**बीजेपी बोली-** राजनीतिकरण करना चाहती है कांग्रेस

» रामजन्मभूमि परिसर में बढ़ाई गई सुरक्षा

» अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर भी उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की मूर्ति स्थापित होने के बाद इसकी तस्वीरें आने का सिलसिला जारी है। तस्वीरें आने बाद से सियासत भी होने लगी है। मूर्ति को लेकर कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह ने सवाल उठाया है उन्होंने कहा जो मूर्ति दिख रही है वह रामलला की बालरुप की मूर्ति नहीं लग रही है। वहीं शंकराचार्य द्वारा प्राण प्रतिष्ठा पर दिए गए बयान के बाद बीजेपी केसांसद निशिकांत दुबे ने पीएम की तूलना से शंकराचार्य कर दी है।

गौरतलब हो कि शुक्रवार को रामलला की एक और तस्वीर जारी हुई, जिसमें उनके पूरे स्वरूप को देखा जा सकता है। तस्वीर में रामलला को फूलों की माला पहनाई गई है। अस्थायी मंदिर में रामलला चारों भाइयों समेत विराजमान हैं। विराजमान रामलला की मूर्ति मात्र छह इंच की है। रामलला इस मूर्ति में एक हाथ में लड्डू लिए हुए घुटने के बल पर बैठे

हैं। भरत की मूर्ति भी छह इंच की है, जबकि लक्ष्मण व शत्रुघ्न की मूर्ति तो मात्र तीन-तीन इंच की है। गर्भगृह में हनुमान की भी दो मूर्तियां हैं, इनमें से एक मूर्ति पांच इंच की है। एक बड़ी मूर्ति लगभग तीन फीट की है।

## असली रामलला की मूर्ति को तोड़ दिया गया: दिग्विजय

दिग्विजय सिंह ने अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने रामलला की मूर्ति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मंदिर में विराजमान रामलला की मूर्ति बाल स्वरूप की तरह नहीं लग रही है। मूर्ति बाल स्वरूप में होनी चाहिए और माता कौशल्या की गोद में होना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि मंदिर में विराजमान रामलला की मूर्ति, बाल स्वरूप की तरह नहीं लग रही है। उन्होंने कहा, मैं शुरू से कहता आ रहा हूं कि जिस रामलला की मूर्ति को लेकर विवाद हुआ और उसे तोड़ दिया गया, वह कहां है? दूसरी मूर्ति की क्या जरूरत थी? हमारे गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज ने भी सुझाव दिया था कि भगवान राम की मूर्ति स्थापित की जाए। राम जन्मभूमि मंदिर की मूर्ति बाल स्वरूप में होनी चाहिए और माता कौशल्या की गोद में होनी चाहिए, लेकिन मंदिर में जो मूर्ति रखी गई है वह बाल स्वरूप में नहीं दिखती है।

## हमारे आराध्य के दर्शन अब टेंट में नहीं होंगे : पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि ये समय हम सभी के लिए भक्ति-भाव से भरा हुआ है। 22 जनवरी को वो ऐतिहासिक क्षण आने वाला है, जब हमारे भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजने जा रहे हैं। हमारे आराध्य के दर्शन टेंट में करने की दशकों पुरानी पीड़ा अब दूर होने जा रही है। महाराष्ट्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले कुछ संतों के मार्गदर्शन में मैं अपने नियमों में व्यस्त हूं और उसका मैं कठोरता से पालन भी करता हूं....ये भी संयोग है कि इसकी शुरुआत महाराष्ट्र के नासिक से पंचवटी की भूमि से हुई। राम भक्ति से भरे इस वातावरण में आज महाराष्ट्र के एक लाख से ज्यादा परिवारों का गृह प्रवेश हो रहा है।

## राम मंदिर निर्माण का 'राजनीतिकरण' कर रही कांग्रेस : चुघ

भगवान श्री राम राष्ट्रीय गौरव हैं लेकिन दुर्भाग्य से, कांग्रेस इससे दूर रहने का निर्णय लेकर इस समारोह का राजनीतिकरण कर रही है।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता हमेशा 'देश की आस्था के प्रतीकों का अपमान' करते रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ ने अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को "राजनीतिक समारोह" बताने के लिए राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं की आलोचना की और कहा कि यह उनके "राम विरोधी" रुख को दर्शाता है। चुघ ने कहा कि कांग्रेस भारतीय सांस्कृतिक लोकाचार के खिलाफ 'हमेशा विभाजनकारी राजनीति' करती है।

## अशास्त्रीय तरीके से की जा रही है प्राण प्रतिष्ठा : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

ज्योतिर्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि राम मंदिर अभी पूरी तरह से बनकर तैयार नहीं हुआ है। ऐसे में अधूरे मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा है कि प्राण प्रतिष्ठा को अशास्त्रीय तरीके से किया जा रहा है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, भले ही बाकी के शंकराचार्यों ने प्राण प्रतिष्ठा पर सवाल नहीं उठाए हैं, लेकिन वह अयोध्या शहर में हो रहे इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने एक कहा कि उन्हें अभी तक प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण नहीं मिला है। मगर उन्हें निमंत्रण दिया जाता तो भी वह इसमें शामिल नहीं होते।

# मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत पांच फरवरी तक बढ़ी

» कोर्ट ने सीबीआई से मांगी ताजा जांच रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के शराब घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अलग-अलग मामलों में आरोपी बनाए गए दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को कोर्ट ने एक बार फिर राहत देने से इनकार कर दिया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने सीबीआई मामले में सुनवाई करते हुए मनीष सिसोदिया समेत सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 5 फरवरी तक बढ़ा दी है। इसके साथ ही अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई से जांच की ताजा स्टेटस रिपोर्ट भी फाइल करने के लिए कहा है।

बता दें कि सिसोदिया को 26 फरवरी को घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। तब से वह हिरासत में हैं। ईडी ने तिहाड़ जेल में उनसे पूछताछ के बाद 9 मार्च को सीबीआई की

### जमानत याचिका खारिज कर चुका सुप्रीम कोर्ट

मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लग चुका है। घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में उनकी जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने समीक्षा याचिकाएं खारिज की थीं।

एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने 28 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। गौरतलब है कि इस मामले में विपक्षी दल भाजपा और दिल्ली में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी के बीच जमकर सियासी बयानबाजी भी होती है।

# असम में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान राहुल से जुड़ रहे लोग

## नाव से माजुली के लिए रवाना होने के साथ फिर से शुरू हुई यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोहिमा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी के सहयोगी शुक्रवार सुबह नौका से माजुली के लिए रवाना हुए और इसी के साथ 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' असम में फिर शुरू हुई। यात्रा में शामिल नेता और समर्थक नावों से जोरहाट जिले के निमतीघाट से माजुली जिले के अफलामुख घाट पहुंचे।

वहीं, कुछ वाहनों को भी बड़ी नावों की मदद से ब्रह्मपुत्र नदी के पार पहुंचाया गया। राहुल के साथ पार्टी महासचिव जयराम रमेश, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया सहित पार्टी के कई शीर्ष नेता मौजूद थे। राहुल अफलामुख घाट पहुंचने के बाद कमलाबाड़ी चारियाली जाएंगे जहां वह एक प्रमुख वैष्णव स्थल औनियाती सत्र का दौरा करेंगे। 'भारत

जोड़ो न्याय यात्रा' गार्मुर से गुजरते हुए जेंगरायमुख में राजीव गांधी खेल परिसर में सुबह विश्राम करेगी। रमेश और पार्टी सांसद गौरव गोगोई वहां संबोधित करेंगे।

## शिवपाल यादव ने कारसेवकों पर गोलीकांड मामले को लेकर दी सफाई

# संविधान की रक्षा के लिए गोली चलवानी पड़ी थी

### » बोले- स्टे के बाद भी की थी कारसेवकों ने हिंसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कारसेवकों पर गोली चलवाने के मुद्दे पर सफाई देते हुए कहा कि उस समय अयोध्या में स्टे के बावजूद भारतीय जनता पार्टी के कारसेवकों ने हिंसा की थी। जिसको लेकर तत्कालीन सरकार को संविधान की रक्षा की खातिर गोली चलवानी पड़ी थी। कारसेवकों ने आदेश का उल्लंघन किया था जबकि न्यायालय ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। सरकार ने कोर्ट के आदेश का पालन किया था। वे सपा कार्यालय पर एक समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झूठ की राजनीति करती है।

राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा भाजपा का आयोजन है। जबकि यह वाकई में संतों का होना चाहिए था। शंकराचार्य व सनातनियों का अपमान देश देख रहा है। इसका नतीजा भाजपा को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अधूरे राम मंदिर का उद्घाटन किया जा रहा है। सपा से गठबंधन कर उन्हें 10 सीटें मिली थीं जबकि सपा से अलग होने पर केवल एक सीट पर सिमट गई थीं। सपा प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है। लेकिन आइएनडीआइए गठबंधन में जिसको जहां से टिकट मिलेगा सपा उसे जिताएगी। उन्होंने अपने आपको यदुवंशी कहा और कहा कि हाईकमान जिस सीट से उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कहेगा वहां से चुनाव लड़ेंगे। भाजपा देश की पूजा पद्धति तो छोड़िए संविधान को भी बदलने की तैयारी में जुटी है। उन्होंने यह भी कहा कि 22 जनवरी के बाद पूरे परिवार के साथ सपा के लोग राममंदिर के दर्शन करने जाएंगे। बसपा प्रमुख मायावती पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि मायावती दलितों को लूटकर दौलत की बेटी बन गईं यह किसी से छिपा नहीं है।

**पूरे परिवार के साथ राममंदिर के दर्शन करने जाएंगे**

### मैं भाजपा नेताओं से ज्यादा धार्मिक हूं : अखिलेश

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि अदालत के फैसले के कारण राम मंदिर बन रहा है, लेकिन इस आयोजन का राजनीतिकरण अनुचित है....क्या भगवान राम 22 जनवरी को ही अयोध्या में रहेंगे? क्या उसके बाद गायब हो जाएंगे? मैं मंदिर में तभी जाऊंगा जब भगवान राम मुझे आमंत्रित करेंगे। मैं वहां एक सामान्य भक्त के तौर पर जाऊंगा। मैं पूछना चाहता हूं कि शंकराचार्यों को इस कार्यक्रम में क्यों नहीं बुलाया गया। मैं भाजपा नेताओं से ज्यादा धार्मिक हूं। यूपी के मुख्यमंत्री आवास में मंदिर का निर्माण मेरे कार्यकाल के दौरान हुआ था। हमने ही पारिजात और अन्य धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण पेड़ों को सरकारी आवास में लाया था।

### मस्जिद तोड़कर मंदिर बनाना अनुचित : उदयनिधि

नई दिल्ली। सनातन धर्म के खिलाफ अपनी जुबान से आग उगलने वाले डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने अब राम मंदिर पर बयान दिया है। एक बार फिर उन्होंने विवादित बयान दिया है। उदयनिधि ने कहा कि हम मस्जिद को तोड़कर उसकी जगह मंदिर बनाए जाने का समर्थन नहीं करते हैं। उदयनिधि ने कहा, जैसा कि हमारे नेता ने कहा था कि धर्म और राजनीति को न मिलाएं। हम किसी भी मंदिर निर्माण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम उस स्थान पर मंदिर बनाने का समर्थन नहीं करते हैं। जहां एक मस्जिद को ध्वस्त किया गया था। बता दें कि उदयनिधि अक्सर सनातन धर्म के खिलाफ बोलते रहे हैं। बीते साल उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और कोरोना वायरस से की थी। उदयनिधि ने कहा था कि सनातन धर्म डेंगू, मलेरिया और कोरोना की तरह है, जिसका महज विरोध नहीं किया जा सकता बल्कि इसे खत्म किया जाना चाहिए। उदयनिधि के बयान पर काफी हंगामा भी हुआ था। बीजेपी ने डीएमके पर जमकर प्रहार किया था। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा था कि डीएमके नेता देश की 80 प्रतिशत हिंदू आबादी के खात्मे की बात कर रहे हैं। उदयनिधि स्टालिन की विवादित टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ केस भी दर्ज किया गया। इसको लेकर पटना की एमपी/एमएलए अदालत ने इसी सोमवार को संज्ञान पत्र जारी किया है। अदालत ने उदयनिधि को 13 फरवरी को अदालत में उपस्थित होने का आदेश दिया है।

# केजरीवाल के डीएनए में है अराजकता : भाटिया

### » ईडी के सामने पेश न होने पर आप पर बरसी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी की चौथी समन के बावजूद भी आज अरविंद केजरीवाल पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। उन्होंने भाजपा पर गिरफ्तारी करने की साजिश रचने का ही आरोप लगा दिया। इसी को लेकर अब भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को चौथा समन भेजा और उनसे पूछताछ करना चाहती थी।

लेकिन ऐसा क्या हुआ कि अरविंद केजरीवाल डर गए? उन्होंने कहा कि अब आप जान गए हैं कि कौन आरोपी सलाखों के पीछे है, उसने किसे कट्टर ईमानदार कहा था और कौन निकला कट्टर बेईमान। उन्होंने कहा कि अगर अराजकता का कोई उदाहरण है, जिसके डीएनए में अराजकता है – वह अरविंद केजरीवाल हैं। भाजपा नेता ने कहा कि इन दिनों आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल इस ठंड में कांप रहे हैं, क्योंकि ईडी ने उन्हें समन भेजा। भाटिया ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में पहले ऐसा नहीं हुआ है जब जांच एजेंसी किसी को समन देकर बुलाए और वह जांच एजेंसी से कहे कि समन वापस लो। केजरीवाल अराजकता के पर्याय बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ईमानदारी की पर्याय है, ये पर्याय है कि अगर घोटाला करोगे तो तुम्हें बख्शा नहीं जाएगा। इसलिए जिसे भी जांच एजेंसी ने समन दिया है, वह कानून से भाग तो सकता है, लेकिन बच नहीं सकता है। यह देखकर कि मनीष सिसौदिया और संजय सिंह को जमानत नहीं मिल सकी, अरविंद केजरीवाल को एहसास हो गया है कि उनका भविष्य अंधकार में है।

# राम और उनके आदर्शों को मानता हूंः फारूक

### » अब्दुल्ला ने गाया भजन, सिब्बल भी हुए राममय, वीडियो हो रहा वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का पूरा देश इंतजार कर रहा है। इस बीच राम मंदिर को लेकर देश में राजनीति भी चरम पर पहुंच गई है। आज राम मंदिर को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला के बीच बातचीत का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो को यूट्यूब चैनल पर शेयर किया गया है। दोनों नेता इस बातचीत के दौरान देश के तमाम मुद्दों पर बात करते हैं। वहीं, दोनों ने राम मंदिर के साथ भगवान राम के जीवन पर भी बात की।

सांसद कपिल सिब्बल ने साक्षात्कार में जब फारूक से पूछा कि क्या आप भी भगवान राम को मानते हैं तो उन्होंने कहा कि वो भगवान के साथ उनके आदर्शों को भी मानते हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक ने इस दौरान पाकिस्तान के मौलाना की भी कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के एक मौलाना ने कुरान की तर्ज पर कई किताबें लिखी थीं। फारूक ने कहा कि उनमें दो शख्सियतों का ही जिक्र था, जिनमें भगवान राम और दूसरे गौतम बुद्ध थे। उन्होंने कहा कि दोनों ने राजा का पद छोड़कर सबके साथ इंसाफ की बात की और सभी को सच्चाई का रास्ता दिखाया। बता दें कि कपिल सिब्बल ने राम मंदिर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुन्नी वक्फ बोर्ड का प्रतिनिधित्व करते हुए केस लड़ा था। कपिल सिब्बल उन वकीलों में भी शामिल थे, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा देकर राम को काल्पनिक बताया था।

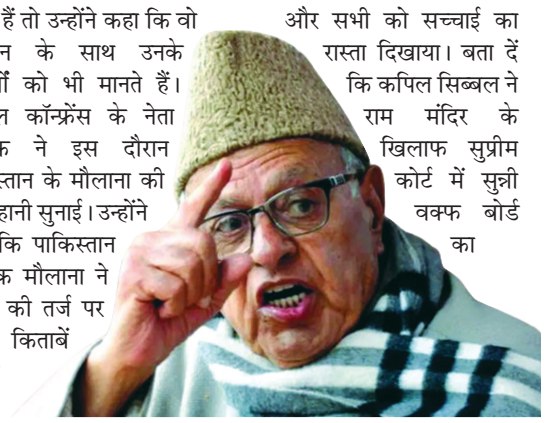



### भगवान राम तो सभी के हैं : सिब्बल

साक्षात्कार के दौरान कपिल सिब्बल और फारूक अब्दुल्ला ने भाजपा पर हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि ये लोग राम की बात तो करते हैं, लेकिन उनके आदर्शों पर नहीं चलते हैं। वहीं, कपिल सिब्बल ने कहा कि भगवान तो सभी के होते हैं और हम भगवान राम को मानते भी हैं और उनके आदर्शों पर चलने को भी तैयार हैं। कपिल सिब्बल जब अपने साक्षात्कार को खत्म कर रहे थे, तो उन्होंने फारूक से कहा कि आप बहुत अच्छा भजन गाते हैं, कुछ सुनाइए। इसके बाद एनसी नेता ने मेरे राम, मेरे राम...किस गली गयो मेरे राम,.किस गली गयो मेरे राम...आंगन मेरा सूना सूना भजन गाकर सुनाया।

# इस दाम से किसान की आय दोगुनी नहीं हो सकती : टिकैत

### » योगी सरकार के 20 रूपये गन्ना मूल्य बढ़ाने पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत और भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि खेती महंगी हो रही है। कृषि यंत्रों, कीटनाशक, जुताई, डीजल समेत अन्य चीजों के दाम बढ़े हैं। छोटी जोत के किसानों के लिए हालात विकट हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 20 रुपये बढ़ाए हैं, लेकिन यह लाभकारी मूल्य नहीं है। इस दाम से किसान की आय दोगुनी नहीं हो सकती।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने गन्ना मूल्य की घोषणा की है। कैबिनेट ने गन्ना मूल्य में 20 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। तीनों ही किस्मों में 20 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। भाकियू अध्यक्ष ने कहा कि किसानों को और अधिक राहत दिए जाने की जरूरत थी। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि पिछले साल भी गन्ना मूल्य में बढ़ोत्तरी नहीं हुई थी, इस बार कम से कम हरियाणा और पंजाब जितना गन्ने का भाव तो होना चाहिए था।

**बामुलाहिजा**

कार्टून: हसन जैदी

# नीतीश कुमार ने बीजेपी को हराने का बिछाया जाल

## शिक्षक, गरीब परिवारों को दो-दो लाख व जनजातीय जनगणना होंगे ट्रंप कार्ड

» एक करोड़ परिवार तक पहुंचे बिहार के सीएम
» लोस 2024 चुनाव पर है जदयू की नजर
» जाति सर्वेक्षण से वोटों का होगा एकत्रीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश कुमार की उम्र उनकी मानसिक स्थिति और पलटी मार राजनीति को लेकर जितनी भी बातें विरोधी कर लें, पर उनकी राजनीतिक सूझ-बूझ सब पर भारी पड़ रही है। सवा दो लाख नए शिक्षकों की नियुक्ति, पौने चार लाख नियोजित शिक्षकों को सरकारी दर्जा, 94 लाख गरीब परिवारों को दो-दो लाख की आर्थिक मदद और 18 हजार आंगनबाड़ी सेविकाओं-सहायिकाओं की पुनर्बहाली का आदेश देकर नीतीश सरकार ने एक करोड़ परिवारों का वोट सेट कर लिया है। नीतीश कुमार ने बिहार में न सिर्फ सड़कों का जाल बिछाया, बल्कि बिजली-पानी और स्वास्थ्य-शिक्षा की सुविधाएं भी मुहैया कराई हैं। जाति सर्वेक्षण जैसा दुरूह काम तो किया ही है। यह ऐसा काम था, जिसके बारे में दूसरे राज्य सोचते और योजना बनाते रह गए।

नीतीश ने न सिर्फ उसे कर दिखाया, बल्कि उसमें निकली जातियों की संख्या के अनुसार आरक्षण की सीमा भी बढ़ा दी। नियोजित शिक्षकों को सरकारी शिक्षक का दर्जा दिया। बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति का रिकार्ड बनाया। 96 लाख गरीब परिवारों को अपनी जीविका के लिए उद्यम खड़ा करने में दो-दो लाख मदद की घोषणा की। बर्खास्त हुईं आंगनबाड़ी सेविकाओं को बहाल किया। नीतीश की नीतियों की वजह से बिहार में गरीबी भी घटी है। नीति आयोग के आंकड़े बिहार में गरीबी घटने का संकेत दे रहे हैं। अगर काम को आधार बना कर वोट मिलते हैं तो नीतीश बिहार में सर्वाधिक वोट हासिल करने का पूरा बंदोबस्त कर चुके हैं।

नीतीश के उल्लेखनीय कामों पर नजर डालें तो सबसे पहले जाति सर्वेक्षण और आरक्षण सीमा बढ़ाने का जिक्र होगा। केंद्र के इनकार के बाद नीतीश ने अपने स्तर से जाति आधारित गणना का काम शुरू किया। कोर्ट-कचहरी की बाधा पार कर बिहार में सेवाओं और शिक्षण संस्थानों में दाखिले को लेकर 75 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। नीतीश कुमार के इस काम को उनका ब्रह्मास्त्र माना गया। बाद में सभी विपक्षी दलों ने जाति जनगणना और आरक्षण सीमा उसी अनुरूप तय करने की रट लगानी शुरू की। कांग्रेस ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में तो इसे मुद्दा ही बना लिया। राहुल गांधी तो उछल कर बोलने लगे कि उनकी सरकार बनी तो राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना कराएंगे। जिसकी जितनी आबादी होगी, उसी अनुरूप आरक्षण देंगे। नीतीश के इस कदम को चुनाव जीतने का उनका बड़ा हथियार माना जा रहा है। देश में जहां बेरोजगारी को लेकर रोज लोग विलाप करते हैं। खासकर विपक्षी पार्टियां इसके लिए एनडीए सरकार को कोसती रहती हैं। उलाहने देती हैं। वहीं नीतीश कुमार ने ब? पैमाने पर बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति कर रिकार्ड बना दिया है। बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा के पहले चरण में 1,40,741 पदों पर नियुक्ति का विज्ञापन निकला तो लोगों को यह सिर्फ शिगूफा लगा था। लेकिन जब इनमें से 1.12 लाख शिक्षकों की बहाली हुई तो सबके कान ख? हो गए। नवंबर 2023 से शुरू शिक्षक नियुक्ति प्रकिया जनवरी 2024 तक चली। यानी तीन महीने में तकरीबन सवा दो लाख शिक्षकों को बिहार सरकार ने नियुक्ति पत्र दे दिया। शिक्षक नियुक्ति के दूसरे चरण में 1.20 लाख पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकला था। जांच परीक्षा में करीब आठ लाख लोग शामिल हुए। परीक्षा में सफल 1.10 लाख लोगों को 13 जनवरी को नियुक्त पत्र सौंप भी दिया गया। यानी नीतीश ने सवा दो लाख परिवारों में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

### पौने चार लाख नियोजित शिक्षकों के सहारे भी लोस सीटों पर नजर

नीतीश कुमार का एक मास्टर स्ट्रोक नियोजित शिक्षकों को सरकारी शिक्षक का दर्जा देने का रहा। राज्य के पौने चार लाख नियोजित शिक्षक लंबे समय से अपने लिए सरकारी का दर्जा मांग रहे थे। कई बार इसके लिए धरना-प्रदर्शन भी हुए। आखिरकार लंबे संघर्ष के बाद नीतीश ने उन्हें सरकारी शिक्षक का दर्जा देने पर हामी भरी। राज्य सरकार ने अब नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने का फैसला कर लिया है। 26 दिसंबर 2013 को कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। नियोजित शिक्षकों के लिए बिहार विद्यालय विशिष्ट शिक्षक नियमावली 2023 बनाई गई है। इस नियमावली के तहत बिहार के नियोजित शिक्षकों को अब सरकारी शिक्षक का दर्जा मिलेगा। उनको उन्हीं शिक्षकों की तरह लाभ मिलेगा, जिनकी नियुक्ति बीपीएससी से हुई है। नियोजित शिक्षकों को सारी सुविधाओं का लाभ सक्षमता परीक्षा पास करने के बाद मिलेगा। मसलन नीतीश ने पौने चार लाख नियोजित शिक्षकों के परिवारों का दिल जीत लिया है। जाति आधारित गणना में पता चला कि राज्य की विभिन्न जातियों के 94 लाख 33 हजार 312 परिवार गरीब हैं। नीतीश ने इन्हें अपना उद्यम ख?ा करने के लिए दो-दो लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने का ऐलान किया था, ताकि ये गरीबी रेखा से बाहर आएं। गरीब परिवार का पैमाना यह था कि ऐसे परिवार, जिनकी मासिक आय छह हजार रुपये से कम है, वे गरीब माने जाएंगे। राज्य सरकार ने अब तय किया है कि ऐसे परिवारों को अगले पांच साल तक दो लाख रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी, ताकि परिवार का कम से कम एक सदस्य रोजगार का बंदोबस्त कर ले। बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत दो लाख की रकम तीन किस्तों में दी जाएगी। इसके लिए 1250 करो? रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। वर्ष 2023-24 के लिए 250 करो? दिए जाएंगे। वर्ष 2024-25 के लिए सांकेतिक रूप से एक हजार करो? रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति भी दी गई है। यानी नीतीश ने 94 लाख परिवारों पर डोरे डाल दिए हैं।

### सहायिकाओं और सेविकाओं से भी आस

नीतीश कुमार ने बरखास्त हुईं 18 हजार आंगनबाड़ी सेविकाओं-सहायिकाओं को भी उनकी पुनर्बहाली के आश्वासन से गदगद कर दिया है। ये सेविकाएं-सहायिकाएं हड़ताल के दौरान बर्खास्त की गई थीं। सीएम नीतीश ने 6 जनवरी को इसका एलान किया। सीएम से आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं के शिष्टमंडल की मुलाकात के दौरान यह घोषणा हुई। नीतीश ने न सिर्फ पुनर्बहाली का आश्वासन दिया, बल्कि आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं के मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि का भरोसा भी दिया। अपनी मांगों को लेकर साल 2023 में राज्यभर की आंगनबाड़ी में काम करने वाली महिलाओं ने हड़ताल कर दी थी। पटना में प्रदर्शन भी किया था। हड़ताल खत्म न करने पर 10,203 आंगनबाड़ी सेविकाओं और 8016 सहायिकाओं को सरकार ने सेवामुक्त कर दिया था। नीतीश ने सेविकाओं-सहायिकाओं का भी दिल जीत लिया है।

# उत्तर-दक्षिण की लड़ाई, किसकी खत्म करेगी तन्हाई

» द्रविड़ नेताओं के बयान से यूपी-बिहार में रार
» उत्तर-भारतीय नेताओं ने कई बार दिखाई नाराजगी
» लोस चुनाव में बनेगा मुद्दा, बीजेपी व कांग्रेस में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई । हालांकि कांग्रेस 2024 में सत्ता में आने की कोशिश में जुटी है। 28 दलों को मिलाकर इंडिया गठबंधन बनाया गया है। लेकिन उत्तर बनाम दक्षिण की लड़ाई में कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि दक्षिण के नेताओं की ओर से उत्तर भारतीय को लेकर लगातार बयान बाजी की जाती है। इतना ही नहीं, हिंदी के खिलाफ भी उनकी ओर से बोला जाता है। कांग्रेस इस पर खुलकर कोई स्टैंड नहीं ले पाती। यही कारण है कि हिंदी पट्टी राज्यों में उसे नुकसान का डर है। कर्नाटक में जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस ने तेलंगाना में जबरदस्त जीत हासिल की।

इसके अलावा 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने केरल में शानदार जीत हासिल की थी। ऐसे में दक्षिण राज्यों में फिलहाल कांग्रेस का दबदबा साफ तौर पर देखने को मिलता है। तेलंगाना में जब से कांग्रेस के जीत हुई है, उसके बाद देश में उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति भी जबरदस्त तरीके से जारी है। उत्तर और खासकर के हिंदी पट्टी के तीन बड़े राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी जीती। जबकि दक्षिण में तेलंगाना में कांग्रेस की जीत हुई। उसके बाद से उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति को हवा देने की कोशिश की गई। इसमें विपक्षी नेताओं की भूमिका कुछ ज्यादा ही रही। इसका बड़ा कारण यह भी है कि आने वाले दिनों में लोकसभा के चुनाव होने है। कांग्रेस और डीएमके जैसे विपक्षी दल दक्षिण में अपने गढ़ को भाजपा से बचना चाहते है और शायद इसी वजह से उत्तर भारतीयों को लेकर उनकी ओर से अलग-अलग बयान भी दिए गए हैं। हालांकि इससे कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती और भी बढ़ सकती हैं।

### सपा हिंदी के पक्ष में डटी रहती है

इसके अलावा उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी भी हिंदी के पक्ष में खड़ी रहती है। वहीं, दूसरी ओर देखे तो ममता बनर्जी क्षेत्रीय स्मिता की बात करती है और वह लगातार बंगाली को प्रमोट करने की कोशिश में रहते हैं। कांग्रेस का कहना है कि गठबंधन में सारे दाल गुलाब की फूलों की तरह है जो एक साथ मिलकर गुलदस्ता बनते हैं। हालांकि, यह गुलदस्ता कहीं आने वाले समय में इंडिया गठबंधन पर ही भारी न पड़ जाए, इसका भी ध्यान रखना होगा। हिंदी पट्टी में आखिर कांग्रेस का सफाया क्यों हुआ, यह पार्टी के लिए सोचने वाली बात है। भाजपा दक्षिण में उस तरीके से मजबूत नहीं रही है। हां कर्नाटक में उसनी अपना सरकार खोया है लेकिन उसका वोट प्रतिशत बरकरार है। तेलंगाना में भी उसे अच्छी सफलता मिली है। लेकिन उत्तर भारत के राज्यों में कांग्रेस लगातार सिमटी जा रही है।

कर्नाटक में जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस ने तेलंगाना में जबरदस्त जीत हासिल की। इसके अलावा 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने केरल में शानदार जीत हासिल की थी। ऐसे में दक्षिण राज्यों में फिलहाल कांग्रेस का दबदबा साफ तौर पर देखने को मिलता है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सिर्फ पोस्ट किए थे द साउथ। इसी के बाद से यह लड़ाई और भी तेज हो गई। भाजपा ने इसे विभाजनकारी सोच बता दिया।

संसद में डीएमके के एक सांसद ने उत्तर भारतीयों को लेकर गोमूत्र वाला बयान दिया था। उसके बाद डीएमके के एक दूसरे नेता ने बिहार, उत्तर प्रदेश के हिंदी भाषी लोगों की तुलना टॉयलेट साफ करने वालों से कर दी थी। इन तमाम मसलों पर कांग्रेस को जितना खुलकर बोलना चाहिए था, पार्टी ने उस हिसाब से अपना पक्ष नहीं रखा।

### कांग्रेस में असमंजस की स्थिति

कांग्रेस को पता है कि उत्तर भारत में फिलहाल वह उतनी मजबूत नहीं है। लेकिन अगर दक्षिण भारत में वह अपने सीटों को बढ़ाने में कामयाब हो पाती है तो उसके भविष्य की राजनीति के लिए यह अच्छा हो सकता है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना जैसे राज्य दक्षिण भारत में आते हैं। आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगना, कर्नाटक और तमिलनाडु को मिला दें तो यहां लोकसभा की 129 सीटें हैं। अगर इन 129 सीटों में से कांग्रेस को 70 से 80 पर भी जीत मिलती है तो यह पार्टी की उम्मीदों के लिए फायदेमंद रह सकता है। हालांकि, कांग्रेस हिंदी पट्टी के मुद्दों को लेकर अगर खामोश होती है तो उसके लिए उत्तर भारत में स्थिति और भी कठिन हो सकती है।

### बीजेपी के दांव से विपक्ष के लिए बढ़ी चुनौती

वर्तमान में देखें तो दक्षिण के विपक्षी नेताओं के जो बयान है, उसे साफ तौर पर जाहिर होता है कि वह उत्तर भारतीयों को फिलहाल राजनीतिक तौर पर राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मुद्दे पर ही समेटना चाहते हैं। यह बात सच है कि भाजपा राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का मुद्दा जोर-जोर से उठती है और उसे उत्तर भारत में जबरदस्त सफलता भी मिल रही है। दक्षिण भारत में भाजपा लंबे समय से एक्टिव है बावजूद इसके उसे वहां कामयाबी नहीं मिल पा रही है। हालांकि, भाजपा का साफ तौर पर कहना है कि 2024 लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति समाप्त हो जाएगी। भाजपा को इस बात की भी उम्मीद है कि केरल और तमिलनाडु में उसके वोट प्रतिशत बढ़ने वाले हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# एआई से बढ़ रहे खतरे पर होना होगा गंभीर

*दुनिया में तकनीकी रोज बदल रही है। ऐसी-एसी व्यवस्थाएं आ रही हैं जिससे आम जीवन आसान होता जा रहा है। पूरी दुनिया आज डिजिटली एक दूसरे से मिनटों में जुड़ जा रही है। विश्व के किसी भी कोने में बैठा मनुष्य किसी दूसरे कोने में बैठे व्यक्ति से अपनी हर बात शेयर कर सकता है। आज विज्ञान इतना उन्नत हो गया है कि आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किसी भी व्यक्ति की प्रतिकृति बनाई जा सकती है। पर जहां इन चीजों का लाभ मिल रहा है वैसे ही ये नुकसान भी पहुचां रहे हैं। अभी हाल ही मशहूर पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने एआई के खिलाफ शिकायत की है उनका एक वीडियो एआई तकनीकी ने बनाकर चलाया जिसमें वह नहीं थे। इसी तरह की डीपफेक वीडियो अभिनेत्री स्मृति मंधाना का भी बना दिया गया था जिसमें सिर उनका और शरीर का हिस्सा किसी और जोड़ा गया था। इससे पहले अन्य कई लोग ऐसी शिकायत कर चुके हैं। अब नीति निर्माताओं का इस पर ध्यान देना होगा।*

*यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) तकनीक बिग डेटा एनालिटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स की प्रमुख सूत्रधार है। साथ ही इसकी चुनौतियां यथा निजता एवं स्वायत्तता भी सिर उठाए खड़ी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एआइ के जरिए हेरा-फेरी करके विभिन्न राष्ट्रों की संप्रभुता के लिए संकट भी पैदा किया जा रही है। यह तकनीक मानव की नैसर्गिक सोच एवं स्वाभाविक विचारशीलता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। एआइ के लाभों में प्रमुखत: मानवजनित त्रुटियां एवं जोखिम में कमी, अत्यंत जोखिम भरे कार्य स्थलों पर मानव के स्थान पर रोबोट की सहायता से कार्य करना, अनवरत 24 घंटे सेवा उपलब्धता, बिना किसी पूर्वाग्रह के कार्यशील रहना व निर्णय करना, एक ही प्रकृति के कार्यों को निर्बाध संचालित करना, तुलनात्मक दृष्टि से मानव प्रदत्त सेवाओं से कम कीमत में उपलब्धता होना, बड़े डेटा का तीव्र गति से मूल्यांकन करना इत्यादि हैं। इन लाभों के मध्य कुछ दूसरे कारक एआइ को चुनौती के रूप में भी प्रस्तुत करते हैं। वहीं वैश्विक स्तर पर भी एआई के दुरुपयों पर चर्चा हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, रुस व भारत समेत लगभग सभी देश चाहते हैं कि एआई पर कुछ गंभीर कानून बने ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। देवास में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर स्वीटजरलैंड समेत कई देशों ने एआई से उत्तपन्न हो रहे समस्याओं को खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा है।*

**आज विज्ञान इतना उन्नत हो गया है कि आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किसी भी व्यक्ति की प्रतिकृति बनाई जा सकती है। पर जहां इन चीजों का लाभ मिल रहा है वैसे ही ये नुकसान भी पहुचां रहे हैं। अभी हाल ही मशहूर पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने एआई के खिलाफ शिकायत की है उनका एक वीडियो एआई तकनीकी ने बनाकर चलाया जिसमें वह नहीं थे।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# पाक पर ईरानी हमला भारत के लिए मौका

विवेक शुक्ला

अपने को इस्लामिक संसार का नेता समझने के मुगालते में रहने वाले पाकिस्तान के आतंकवादियों के ठिकानों पर ईरान ने हमला बोलकर एक बड़ा संदेश दुनिया को दिया कि पाकिस्तान में आतंकी संगठन खुल्लम-खुल्ला काम कर रहे हैं। ईरान ने बीते मंगलवार को पाकिस्तान में आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए। हमले में मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। हमले से विचलित पाकिस्तान ईरान के एक्शन पर विरोध जताकर चुप हो गया है। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि बलूची आतंकी समूह जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को मिसाइलों से निशाना बनाया गया। भारत तो दशकों से चीख-चीख कर दुनिया को बता रहा है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को खाद-पानी देने वाला मुल्क है।

उल्लेखनीय है कि 28-29 सितंबर, 2016 की रात को भारतीय सेना के कमांडोज ने आजाद कश्मीर में घुसकर 38 आतंकी मार गिराए थे। अजीब इत्तेफाक है कि उसी समय पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर ईरान ने मोर्टार दागे थे। ईरान के बॉर्डर गार्ड्स ने सरहद पार से बलूचिस्तान में तीन मोर्टार दागे थे। इसलिए कहा जा सकता है कि ईरान पहले भी पाकिस्तान को निशाना बना चुका है। पाकिस्तान और ईरान के बीच 900 किलोमीटर की सीमा है। याद रखिए कि यह वही ईरान है जिसने 1965 में भारत के साथ जंग में पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया था। ईरानी नेवी साथ दे रही थी पाक नेवी का। लेकिन तब से स्थितियां बहुत बदल चुकी हैं। एटमी गुंडे यानी पाकिस्तान से उसके कई पड़ोसी नाराज हैं, क्योंकि वो हर जगह आतंकवाद फैलाता रहा है। ईरान पाकिस्तान से तब से नाराज है क्योंकि दोनों देशों की सीमा पर तैनात ईरान के दस सुरक्षाकर्मियों को 2017 में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था। तब से ही ईरान-पाकिस्तान के संबंध सामान्य नहीं रहे थे। ईरान-पाकिस्तान में इसलिए भी तनातनी रही है, क्योंकि ईरान शिया तो पाकिस्तान सुन्नी मुस्लिम देश है।

पाकिस्तान की सऊदी अरब से नजदीकियां कभी भी ईरान को रास नहीं आई हैं। दरअसल, पाकिस्तान को सऊदी अरब से कच्चा तेल आराम से मिल जाता है। उसे कच्चा तेल तो ईरान, नाइजरिया या और किसी और देश से

भी मिल सकता है, पर उसके नागरिकों को नौकरी और कोई देश नहीं दे सकता। इसलिए पाकिस्तान सऊदी अरब के साथ चिपका रहता है। ईरान और पाकिस्तान के बीच संबंधों में बड़ा बदलाव तब आया जब दिसंबर, 2015 में सऊदी अरब ने आतंकवाद से लड़ने के लिए 34 देशों का एक 'इस्लामी सैन्य गठबंधन' का फैसला किया। लेकिन इस गठबंधन में शिया बहुल ईरान शामिल नहीं किए गए। इसमें सऊदी अरब ने पाकिस्तान को प्रमुखता के साथ जोड़ा। इस कारण ईरान काफी नाराज हुआ था पाकिस्तान से। इस गठबंधन का चीफ बनाया गया था पाकिस्तान का पूर्व आर्मी चीफ जनरल राहिल शरीफ को। ये गठबंधन कभी कायदे से अपना काम नहीं कर सका। इस गठबंधन को ईरान विरोधी के रूप में भी देखा गया, जो सऊदी अरब का मुख्य क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी है। खैर, ईरानी एक्शन भारत के लिए अनुपम अवसर है ईरान से अपने संबंधों को मजबूती देने का। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईरान की दो दिवसीय यात्रा पर जा चुके हैं। ईरान के राष्ट्रपति डॉ. हसन रूहानी के निमंत्रण पर हुई उस यात्रा में मोदी ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अल खुमैनी से भी मिले थे। खुमैनी आमतौर पर किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष से मिलते नहीं हैं। लेकिन वे मोदी से मिले थे। साफ है कि ईरान ने मोदी की यात्रा को खासी तरजीह दी थी। भारत के लिए ईरान एक बहुत महत्वपूर्ण देश है। ईरान न केवल तेल का बड़ा व्यापारिक केन्द्र है, बल्कि मध्य-एशिया, रूस तथा पूर्वी यूरोप जाने का एक अहम मार्ग भी है। भारत ऊर्जा से लबरेज ईरान के साथ अपने संबंधों में नई इबारत लिखने का मन बना चुका है। भारत मुख्य रूप से कच्चे तेल को सऊदी अरब और नाइजीरिया से आयात करता है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से ईरान को ये संदेश मिल गया था कि भारत उसके साथ आर्थिक और सामरिक संबंधों को मजबूती देना चाहता है।

भारत और अमेरिका के बीच 2008 में हुए असैन्य परमाणु करार के बाद ईरान के साथ बहुत सारी परियोजनाओं को या तो रद्द कर दिया गया था या टाल दिया था। इस कारण ईरान भारत से खफा तो था। भारत और ईरान के बीच मतभेद और गलतफमियां रही हैं। ईरान इस वजह से भारत से नाराज था क्योंकि उसने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) में ईरान के परमाणु रिकॉर्ड के खिलाफ नकारात्मक वोट किया था। दरअसल, भारत ने अमेरिका के दबाव में ईरान के खिलाफ वोट किया था।

# समाज में अपराध के खिलाफ सशक्त सोच बने

विश्वनाथ सचदेव

पिछले डेढ़ साल में पहली बार बिलकिस बानो के चेहरे पर मुस्कान आयी है। सामूहिक बलात्कार और हत्या के अपराधियों को सजा में मिली छूट के खिलाफ बिलकिस बानो की याचिका पर निर्णय देते हुए उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में 11 अपराधियों को मिली छूट को धोखाधड़ी (फ्रॉड) कहा है। और गुजरात सरकार की इस कार्रवाई को अनधिकार चेष्टा भी। उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार बलात्कार और हत्या के इन ग्यारह दोषियों को यदि सजा में कोई छूट मिलती भी है तो वह गुजरात सरकार के नहीं, महाराष्ट्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती, जहां न्यायालय ने सजा सुनाई थी। ज्ञातव्य है कि आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे इन अपराधियों को सन 2002 के गुजरात दंगों के दौरान 'अमानुषिक अपराध' करने के लिए दोषी पाया गया था। संभव है न्यायालय के नवीनतम निर्णय को देखते हुए अब यह अपराधी महाराष्ट्र सरकार से सज़ा की छूट पाने की कोशिश करें।

ज्ञातव्य यह भी है कि डेढ़ साल पहले जब इन अपराधियों को गुजरात सरकार ने अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए सजा में छूट दी थी तो जेल से छूटने पर इन अपराधियों का सार्वजनिक स्वागत हुआ था, इन्हें मालाएं पहनाई गयी थीं, माथे पर तिलक लगाया गया था। यही नहीं, विश्व हिंदू परिषद जैसी संस्थाओं ने इन्हें नायक की तरह प्रस्तुत किया था। एक गर्भवती महिला के साथ सामूहिक बलात्कार करने और बिलकिस की 3 वर्ष की बच्ची समेत उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने वालों को मान देने की मानसिकता पर भी आज सवाल उठाना जरूरी है। न्यायालय ने अपना काम किया है, आगे भी कानून के शासन के ऐसे उदाहरण मिलते रहेंगे। न्याय के लिए लड़ने वाली बिलकिस बानो को देश में समर्थन भी मिला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे भी इस तरह का समर्थन पीड़ितों को मिलता रहेगा। लेकिन सवाल जो उठता है वह यह है कि कानून के शासन में विश्वास करने वाले समाज में अपराधियों को समर्थन देने की मानसिकता कैसे और क्यों पनपती है।

डेढ़ साल पहले जब यह ग्यारह अपराधी जेल से बाहर आये थे तो मालाएं पहनाकर इनका स्वागत करने वालों को भी अपराधी क्यों न माना जाये? कानून भले ही ऐसे तत्वों को अपराधी न मानता हो, पर आपराधिक मानसिकता के आरोप से ये मुक्त नहीं हो सकते। यह अवसर इस मानसिकता के खिलाफ भी आवाज उठाने का है। सामूहिक बलात्कार को अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार 'मनुष्यता के खिलाफ अपराध' माना गया है। किसी भी सभ्य समाज में ऐसे अपराध के लिए सजा होनी चाहिए। साथ ही, अपराधी वे भी हैं जो ऐसे अपराध को समर्थन देते हैं, महिमा-मंडित करते हैं। कुछ ही अर्सा पहले हमने मणिपुर में भी एक घृणित कृत्य होते देखा था। वहां महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़कों पर घुमाया गया, उनके साथ दुराचार हुआ और समाज का एक वर्ग तमाशबीन बना देखता रहा। सच तो यह है कि यह व्यवहार बलात्कार के अपराध से कम नहीं है। मणिपुर की उन अभागी महिलाओं को न्याय कब मिलेगा, मिलेगा भी या नहीं, पता नहीं। पर सवाल उठता है कि उन अपराधियों को सजा दिये जाने की बात क्यों नहीं होती जो ऐसे अपराधों को या तो मूक समर्थन देते रहते हैं, या फिर ऐसे अपराधियों को मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन करते हैं।

कौन हैं वे लोग, जिन्होंने बिलकिस बानो और उसके परिवार के साथ अत्याचार करने वालों का जेल से बाहर आने पर स्वागत-सत्कार किया? यह ग्यारह लोग निरपराधी घोषित होकर जेल से नहीं छूटे थे, 'इन्हें 'सदव्यवहार' के नाम पर सज़ा में छूट दी गयी थी, इसलिए ये बाहर आए थे। यह सही है कि हमारे देश में इस छूट का प्रावधान है, पर क्या यह भी सही नहीं है कि कुछ अपराध ऐसे भी होते हैं जिनमें सजा में इस तरह की छूट नहीं होनी चाहिए? बलात्कार अपने आप में जघन्य अपराध है, सामूहिक बलात्कार और भी बड़ा अपराध है, और बलात्कार करके हत्या करना इस बड़े से भी बड़ा अपराध! जेल की सजा के दौरान 'सदव्यवहार' के नाम पर ऐसे अपराधियों को यदि कोई छूट मिलती है तो विवेक का तकाजा है कि उस पर सवालिया निशान लगे। सवाल यह भी है कि यदि अपराधी अपने कृत्य पर खेद प्रकट नहीं करता, यह अनुभव नहीं करता कि उससे कोई गलती ही नहीं, अपराध हुआ है, तो उसके व्यवहार को सदव्यवहार की श्रेणी में कैसे रखा जा सकता है? क्या यह हकीकत नहीं है कि बिलकिस बानो जैसी महिलाओं को लगातार आतंक के साये में जीना पड़ता है? लगातार उन पर दबाव होता है कि वह अपनी शिकायत वापस ले लें? हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ साल में, यानी जब से ये अपराधी कथित सद व्यवहार का पुरस्कार पाकर जेल से बाहर आये हैं, बिलकिस बानो चैन की नींद नहीं सो पायी? अब उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद बिलकिस बानो ने अपने वकील के माध्यम से यह कहलवाया है कि जैसे कोई मनो भारी पहाड़ उसके सीने से उतर गया है।

डेढ़ साल में पहली बार अपने बच्चों से लिपट कर उसने खुशी के आंसू बहाये हैं। बिलकिस का यह कहना कम महत्वपूर्ण नहीं है कि 'मैं सुप्रीम कोर्ट की आभारी हूं कि उसने मुझे, मेरे बच्चों को, और सब महिलाओं को समान न्याय के अधिकार देने की उम्मीद जगाई है।' बिलकिस बानो ने उन जैसे सैकड़ों लोगों का आभार भी व्यक्त किया है जो अदालती लड़ाई में उसके साथ खड़े रहे। वह देश के उन करोड़ों लोगों की भी आभारी हैं जिनकी सहानुभूति उसे मिली है। ऐसे लोग हमारे देश में जो अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने में गर्व का अनुभव करते हैं। पर उनका क्या जो अन्याय करके या अन्याय का समर्थन करके स्वयं को गौरवान्वित समझते हैं? अपराधियों का साथ देना या उनका समर्थन करना शर्म की बात होनी चाहिए। ऐसी शर्म किसी सभ्य समाज को भी परिभाषित करती है।

# भारत में विदेशी नजारों जैसा आनंद के लिए जाएं लक्षद्वीप

लक्षद्वीप का संस्कृत और मलयालम में अर्थ है एक लाख द्वीप। यह भारत का सबसे छोटा संघ राज्य है, यह एक द्वीपसमूह है। इस 32 द्वीपों के क्षेत्र में 36 द्वीप हैं। इस द्वीप पर पहली बार इंसानों को अन्तिम चेरा राजा चेरामन पेरुमल द्वारा बसाया गया था। इस द्वीप के सबसे पुराने और बसाए गए द्वीप में अमिनी, कल्पेनी अन्दरोत, कवरत्ती और अगत्ती आईलैंड्स हैं। यहां पर आने से पहले आपको लक्षद्वीप टूरिज्म से परमिशन लेना होता है। कैश में लेन-देन होता है क्योंकि यहां पर इनटरनेट कनेक्टिविटी बहुत लिमिटेड है। यहां के बंगाराम आईलैंड को छोड़कर सभी द्वीपों पर शराब बैन है। लक्षद्वीप में भारत के राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्त प्रशासक का शासन है। केंद्र शासित प्रदेश में एक स्थानीय सरकार है जिसे लक्षद्वीप प्रशासन के नाम से जाना जाता है, जो द्वीपों के दिन-प्रतिदिन के शासन और विकास के लिए जिम्मेदार है। लक्षद्वीप किसी भी तरह से किसी विदेशी पर्यटक स्थल से कम नहीं है। यहां शांति है, तो प्राकृतिक सुंदरता भी है। समुद्र की सुंदर नजारा है तो एडवेंचर पसंद लोगों के लिए कई एक्टिविटी भी हैं।

## अगत्ती द्वीप

लक्षद्वीप में रोमांच से भरी जगहें हैं, जिसमें से एक अगत्ती द्वीप है। इस छोटे से द्वीप पर साफ पानी, सफेद रेत, समुद्र तट और कई रोमांचक स्थान है। अगत्ती द्वीप पर स्नॉर्कलिंग एक्टिविटी का लुत्फ उठाने के लिए जा सकते हैं। अगत्ती लक्षद्वीप का सबसे सुन्दर लैगून हैं। साथ ही 20 बेड वाला टूरिस्ट कॉम्पलेक्स यहां बनाया गया है। यह आश्चर्य की बात है कि यहाँ की धरती का निर्माण मूंगों द्वारा किया गया। उन्होंने ही मानव के रहन-सहन के उपयुक्त बनाया। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहां का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है।

## बांगरम द्वीप

हिंद महासागर के साथ नीले पानी में मौजूद बांगरम द्वीप बेहद अद्भुत पर्यटन स्थल है। प्राचीन मूंगा चट्टान और समुद्री तटों के लिए यह द्वीप जाना जाता है। यहां वाटर स्पोर्ट्स, डॉल्फिन और सूर्योदय व सूर्योस्त देखने का आनंद लेने के लिए जा सकते हैं। इस द्वीप के बीच में खारे पानी का एक बड़ा सा तालाब है, जिसके चारों और केवड़े और नारियल के पेड़ हैं। यह द्वीप वास्तव में बहुत खूबसूरत है। लक्षद्वीप में शराबबंदी लागू है, लेकिन बंगाराम द्वीप ही ऐसी जगह है, जहां आप इसका सेवन कर सकते हैं। बंगाराम द्वीप पर आपको समुद्र का खूबसूरत नजारा मिलेगा।

## मिनिकॉय द्वीप

मिनिकॉय द्वीप एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है जो कि लक्षद्वीप के 36 छोटे द्वीपों में शामिल है। स्थानीय भाषा में इस द्वीप को मलिकू के नाम से जाना जाता है। यहां मूंगे की चट्टानें, सफेद रेत और अरब सागर का आकर्षित पानी देखने को मिलता है। यह द्वीप लक्षद्वीप का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है। मिनिकॉय द्वीप अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है, और लक्षद्वीप में मिनिकॉय द्वीप बड़े हरे नारियल के पेड़ों और ताड़ के पेड़ों से ढका हुआ है। मालुकू द्वीप के कुछ स्थलों में से एक अपने ऊंचे लाइटहाउस के लिए भी प्रसिद्ध है। लक्षद्वीप के मिनिकॉय द्वीप में उष्णकटिबंधीय सवाना जलवायु है और पूरे वर्ष गर्म तापमान रहता है, कुछ महीने, जैसे जनवरी से मार्च, अपेक्षाकृत शुष्क होते हैं।

## मरीन संग्रहालय

लक्षद्वीप के कावारत्ती द्वीप में मरीन संग्रहालय स्थित है। यहां समुद्र से जुड़ी कलाकृतियां रखी हैं। यह संग्रहालय में मछलियों और पानी के जानवरों की प्रजातियां सबसे अधिक देखी जाती है। समुद्री जीवन की जानकारी प्राप्त करने के लिए इस म्यूजियम में घूमने जा सकते हैं।

## हंसना मना है

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हंसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

महिला- डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूं? डॉक्टर- उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

सोनू पत्नी से- सुनती हो, अगर तुम्हारे बाल इसी रफ्तार से झड़ते रहे, तो मैं तुमको तलाक दे दूंगा। पत्नी- हे भगवान, मैं पागल अब तक इनको बचाने की कोशिश कर रही थी।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

## कहानी | शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

## 7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

**वृषभ** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है।

**मिथुन** नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**कर्क** धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

**सिंह** सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

**कन्या** ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

**तुला** पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**वृश्चिक** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

**धनु** कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**मकर** घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा।

**कुम्भ** व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा।

**मीन** वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

बॉलीवुड | कोर्ट की फटकार

# रैपर बोहेमिया बिना इजाजत नहीं गा पाएंगे कोई गाना

मशहूर पंजाबी रैपर बोहेमिया को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बीते मंगलवार को बोहेमिया को बड़ा झटका दे दिया है। हाईकोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा है कि बोहेमिया बिना सागा म्यूजिक की लिखित अनुमति के सिंगिंग नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा वह न तो कोई म्यूजिक वीडियो बना पाएंगे और न ही सार्वजनिक परफॉरमेंस नहीं दे सकते हैं। इस आदेश के बाद बोहेमिया को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, उनके चाहने वालों के लिए भी यह एक बड़ा झटका है। खबर है कि जस्टिस अनीश दयाल ने सागा म्यूजिक की उस याचिका पर अंतरिम आदेश दिया है, जिसमें उन्होंने बोहेमिया के खिलाफ कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया था। अदालत ने यह भी कहा है कि बोहेमिया या उनकी ओर से कोई भी शख्स याचिकाकर्ता के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं कर सकता। बताया जा रहा है कि इस केस पर अब अगली सुनवाई हाईकोर्ट 23 फरवरी, 2024 को करने वाला है। गौरतलब है कि यह मामला 2019 फसे चल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सागा म्यूजिक ने बोहेमिया के साथ एक एग्रीमेंट किया था, जिसके अनुसार बोहेमिया इसी कंपनी के साथ 45 महीनों तक काम करेंगे। इस दौरान वह किसी दूसरे आर्टिस्ट या ग्रुप के साथ नहीं काम करेंगे। इसके अलावा इस एग्रीमेंट में लिखा था कि बोहेमिया के सभी गानों और पब्लिक अपीयरेंस के राइट्स सिर्फ सागा म्यूजिक के पास ही होंगे। हालांकि, बाद में बोहेमिया पर इन नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। याचिकाकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि बोहेमिया ने इस एग्रीमेंट के बाद दूसरे आर्टिस्ट्स के साथ भी काम किया और वह म्यूजिकल टूर पर भी रहे, जबकि इस दौरान सागा म्यूजिक के लिए उन्होंने एक भी सॉन्ग प्रोड्यूस नहीं किया। इसके अलावा याचिका में यह भी कहा गया है कि बोहेमिया और कई अन्य लोगों ने सागा म्यूजिक को नुकसान पहुंचाने के लिए उनके खिलाफ आपत्तिजनक आरोप लगाए थे।

# राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में सीता बन स्टेज परफॉर्म करेंगी हेमा

## अनुष्का शर्मा से लेकर संजय दत्त तक ये सितारे बनेंगे हिस्सा

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल यानी हेमा मालिनी 22 जनवरी, 2024 को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगी। इससे पहले वे अयोध्या में हिंदू महाकाव्य रामायण पर बेस्ड एक डांस ड्रामे का हिस्सा होंगी। वे इस ड्रामे में सीता का किरदार निभाने वाली हैं। हेमा के अलावा बॉलीवुड के कई सितारों को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का न्योता मिला है। हेमा मालिनी ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह का हिस्सा बनने के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, ये पहली बार है, जब मैं अयोध्या आई हूं। स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा आयोजित की गयी रामायाण में मैं माता सीता का किरदार अदा करने वाली हूं। इस कार्यक्रम का आयोजन स्वामी रामभद्राचार्य ने किया है। उन्होंने एक 10 दिनों का कार्यक्रम आयोजित किया है।

भोजपुरी | मसाला

मैं इस दौरान यहां आने के लिए खुद को लकी समझती हूं। मैं खुद को बहुत ही भाग्यशाली मानती हूं कि मैं इस वक्त यहां पर मौजूद हूं। पूरा बॉलीवुड राममय हो गया है। आर्टिस्ट भगवान राम के गाने गा रहे हैं। मैंने भी बीते साल राम भजन गाया था। हर कोई इस खास मौके तैयारी कर रहा है। हेमा मालिनी के अलावा प्राण प्रतिष्ठा का हिस्सा अनुष्का शर्मा से लेकर संजय दत्त, जैकी श्रॉफ सहित कई फिल्मी हस्तियां इस समारोह का हिस्सा बनने वाले हैं। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में होने वाली इस प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य अतिथि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए बॉलीवुड सितारों के अलावा अलग-अलग फील्ड के लोग भी अयोध्या पहुंचने वाले हैं।

# श्रीराम की भक्ति में लीन हुए मनोज तिवारी

राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर पूरे देश में जोर-शोर से चर्चा है। ऐसे में देशभर के लोग राम की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। वहीं, 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा का खास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस मौके पर देशभर से जानी मानी हस्तियों को आमंत्रित किया गया है। ऐसे में मनोरंजन जगत में भी राम भजन की लहर आ गई है। हर दिन श्रीराम को सर्पित भजन रिलीज हो रहे हैं। अब एक और भजन रिलीज हो गया है, जिसमें भोजपुरी सिंगर मनोज तिवारी नजर आ रहे हैं।

मनोज तिवारी भोजपुरी इंडस्ट्री के जाने माने सिंगर और एक्टर है। अक्सर वह कई कारणों से सुर्खियों में बने रहते हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर भगवान श्रीराम के भजन को लेकर एक नया ट्रेंड शुरू हो चुका है, जिसमें मनोज भी बिल्कुल पीछे नहीं हैं। ऐसे में उन्होंने अपना नया भजन वो हैं राम रिलीज कर दिया है। इसे टी-सीरीज के ने अपने ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया है। वो हैं राम के लिरिक्स संतोष कुमार ने लिखे हैं, जबकि मनोज तिवारी ने इस भजन को अपनी खूबसूरत आवाज में सजाया है। वहीं, यह पूरा भजन भी मनोज पर ही फिल्माया गया है, जिसमें वह पूरी तरह से भगवान राम की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं।

गौरतलब है कि 22 जनवरी को राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में खूब धमाल मचने वाला है। इस मौके पर दिग्गज अदाकारा हेमा मालिनी, अनुष्का शर्मा, विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जैसी तमाम हस्तियों को आमंत्रित किया गया है। इनके अलावा मनोज तिवारी का नाम भी गेस्ट लिस्ट में शुमार है।

अजब-गजब | शायद ही किसी को पता होगा कारण

# गाड़ी के डैशबोर्ड पर बनी पेट्रोल की टंकी पास में क्यों होता है तीर का निशान?

लोग गाड़ियां चलाना तो सीख जाते हैं, पर उन्हें कई बार गाड़ियों से जुड़ी अनोखी जानकारियां नहीं होती हैं। कई लोग तो जब ज्यादा उम्र के हो जाते हैं, तब उन्हें गाड़ियों से जुड़ी रोचक बातों को पता चलता है और वो हैरान होते हैं कि सारी जिंदगी कार या बाइक चलाने के बाद भी वो ये बातें नहीं जानते थे। ऐसा ही कुछ एक इंग्लैंड की महिला के साथ हुआ जिसे पता चला कि कार के डैशबोर्ड पर बनी पेट्रोल की टंकी के बगल में एरो, यानी तीर का निशान क्यों होता है। उसने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए हैरानी जताई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार Atinuke Awe, लंदन की रहने वाली हैं और एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो अपने दर्शकों को बता रही हैं कि गाड़ी के डैशबोर्ड में बने एरो का क्या मतलब होता है। उन्होंने लिखा कि ये आसान सा लाइफ हैक है।

महिला अपनी कार में बैठी है और लोगों को अपनी हैरानी दर्शा रही है। वो फिर अपने डैशबोर्ड की तरफ कैमरा घुमा देती है और कहती है कि उसे आज जाकर पता चला कि पेट्रोल टैंक के साइन के साथ ये एरो क्यों होता है। उसने बताया कि जब पेट्रोल खत्म होने लगता है तो ये टैंक और एरो ब्लिंक करता है। दरअसल, एरो ये बताता है कि कार में टैंक का छोटा सा दरवाजा कार के किस ओर बना हुआ है। इसके जरिए जब लोग अपनी गाड़ी को पेट्रोल पंप पर ले जाते हैं, तो एरो से कार को ऐसी दिशा में खड़ा करते हैं, जिससे वो आसानी से तेल भरवा सकें।

महिला ने लोगों से पूछा कि क्या और भी कोई है जिसे इसके बारे में जानकारी नहीं है, तो कई लोगों ने पोस्ट पर कमेंट कर बताया कि वो भी उसी की तरह हैं और उन्हें भी नहीं पता था। एक ने कहा कि उसे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी, जबकि एक ने कहा- ये देखकर तो मैं बेवकूफ जैसा लग रहा हूं क्योंकि मुझे इसके बारे में नहीं पता था।

# ये है रहस्यमी गुफा, यहां कदम कदम पर दिखता है 'चमत्कार'

मदर शिप्टन की गुफा इंग्लैंड के नॉर्थ यॉर्कशायर के नारेसबोरो टाउन में स्थित है। मदर शिप्टन एक प्रसिद्ध भविष्यवक्ता थीं। निड नदी के पास स्थित ये गुफा बेहद रहस्यमयी है, जिसके बगल में एक प्राचीन 'जादुई' कुआं भी है, जो 1630 से काम कर रहा है, जिसके पानी से चीजें पत्थर की बन जाती हैं, इसलिए इसे पेट्रीफाइंग कुआं भी कहा जाता है। यहां हर कदम पर 'चमत्कार' दिखता है। इस बेहद अनोखी जगह को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं।

एक की रिपोर्ट के अनुसार, 15वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, उर्सुला साउथील नाम की एक भविष्यवक्ता थी, जो मदर शिप्टन के नाम से अधिक लोकप्रिय थी। उसके माता-पिता के बारे में बहुत कम जानकारी है; किंवदंतियां हमें केवल यही बताती हैं कि उसका जन्म एक तूफानी रात में इस गुफा में हुआ था। उर्सुला साउथिल बहुत बदसूरत थी। उसकी झुकी हुई पीठ और अत्यधिक बड़ी नाक के कारण उसे चुड़ैल कहा जाने लगा। आखिरकार लोगों के तानों से बचने के लिए वह उस गुफा में ज्यादा समय बिताने लगीं, जहां उनका जन्म हुआ था। वह राजाओं और चीज़ों के बारे में भी भविष्यवाणियां करती थी। उनकी सबसे प्रसिद्ध भविष्यवाणी 1666 में लंदन की भीषण आग के बारे में थी। वह इंग्लैंड में रहने वाले सबसे महान लोगों में से एक हैं। मदर शिप्टन की गुफा वही गुफा है, जहां उनका जन्म हुआ था और जहां उन्होंने अपने अधिकांश वर्ष बिताए थे। मदर शिप्टन की मृत्यु 1561 में हुई और उन्हें नारेसबोरो में दफनाया गया। उसकी कब्र एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है। कुछ लोग कहते हैं कि गुफा में मदर शिप्टन की मूर्ति की नाक रगड़ने से इच्छा पूरी हो जाती है। कुछ लोग कहते हैं कि मदर शिप्टन की गुफा एक घूमने लायक जगह है। वहीं, दूसरों का कहना है कि यह एक सुंदर और दिलचस्प जगह है।

### राहुल गांधी ने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा पर किया बड़ा वार कहा-

# असम में है देश की सबसे भ्रष्ट सरकार

**» आरएसएस पर नफरत फैलाने का लगाया आरोप**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोहाटी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम में हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को भारत में सबसे भ्रष्ट करार दिया। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के असम में प्रवेश करने के तुरंत बाद, गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा और उसके विचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर नफरत फैलाने और सार्वजनिक धन लूटने का आरोप लगाया। शिवसागर जिले के हेलोवेटिंग में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि शायद, भारत में सबसे भ्रष्ट सरकार असम में है। हम भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान असम के मुद्दे उठाएंगे।

भाजपा के इस बयान पर पलटवार करते हुए कि ऐसे मार्चों से कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होगा, गांधी ने कहा कि पिछले साल की भारत जोड़ो यात्रा ने देश की राजनीतिक कहानी बदल दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस नफरत फैला रहे हैं और एक समुदाय को दूसरे समुदाय के खिलाफ लड़वा रहे हैं। उनका एकमात्र काम जनता का पैसा लूटना और देश का शोषण करना है। गांधी

दोपहर के आसपास मारियानी शहर पहुंचे और देखा कि सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं एक नई घोषित योजना के लिए फॉर्म लेने के लिए नाकाचारी क्षेत्र में एक सरकार-नियंत्रित केंद्र पर कतार में खड़ी थीं। गांधी के काफिले को गुजरते देख सभी महिलाएं अपनी लाइनें छोड़कर कांग्रेस सांसद से मिलने के लिए सड़क की ओर दौड़ पड़ीं।

बाद में यात्रा में गांधी के साथ चल रहे कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा किया। रमेश ने लिखा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पांचवें दिन मरियानी में असम के मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित एक समारोह के लिए महिलाएं एकत्रित हुईं और उन्होंने सहजता और उत्साह के साथ राहुल गांधी से मुलाकात की। असम के लिए न्याय शुरू हो गई है!

## सबको यात्रा निकालने का अधिकार : अखिलेश

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर अखिलेश यादव ने कहा, हर पार्टी को यात्रा निकालने का अधिकार है। हम भी यात्रा निकालते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन कांग्रेस नेता हमें अपने कार्यक्रमों में नहीं बुलाते हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की पार्टियों के बीच सीटों के बंटवारे को बहुत जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी सपा और कांग्रेस नेताओं के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत बेनतीजा रहने के मद्देनजर आई है। चुनाव के लिए हमारे पास मुश्किल से 100 दिन बचे हैं। हमारे पास ज्यादा समय नहीं है। हमें तुरंत जमीनी स्तर पर काम करना होगा। मैं इंडिया गठबंधन की मीटिंग में तभी

जाऊंगा जब यूपी में सीटों के बंटवारे पर सहमति बन जाएगी....देश का प्रधानमंत्री कौन बनेगा इसकी चाबी यूपी की जनता के पास है जहां से 80 सांसद चुने जाते हैं।

## कोचिंग संस्थान 16 साल से कम उम्र के छात्रों को नहीं करा पाएंगे नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोचिंग संस्थानों के मनमाने रवैये पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने बीते दिन इन संस्थानों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार का मानना है कि इससे देश में बढ़ रहे छात्रों के आत्महत्या के मामलों में भी कमी आएगी।

इन दिशानिर्देशों के अनुसार, अब कोई भी कोचिंग संस्थान 16 साल से कम उम्र के छात्र का नामांकन अपने संस्थान में नहीं कर सकते। इसके साथ ही कई और जरूरी गाइडलाइन्स जारी की गई हैं। कोचिंग संस्थानों को साफ निर्देश दिया गया है कि अब वो न तो अच्छी रैंक की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वादे कर सकते हैं। अब कोचिंग संस्थान स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को भी नियुक्त नहीं कर सकते हैं। छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल एक्जामिनेशन के बाद ही अब करना होगा। कोचिंग संस्थानों को अब वेबसाइट भी बनानी होगी। इन साइट्स पर ट्यूटरों की शैक्षिक योग्यता, पाठ्यक्रमों, उन्हें पूरा किए जाने की अवधि, छात्रावास की सुविधाएं और कितनी फीस ली जा रही है उसका ताजा विवरण होगा।

# न्यायपालिका में आम जनता का विश्वास हुआ काफी कम : ओका

**» सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ने कहा- उचित लागत पर न्याय तक गुणवत्तापूर्ण पहुंच बनाने में असफल**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय एस ओका ने कहा कि न्यायपालिका में जनता का विश्वास काफी कम हो गया है और इसके पीछे का कारण उचित लागत पर न्याय तक गुणवत्तापूर्ण पहुंच प्रदान करने में न्यायपालिका की विफलता है। हालाँकि, न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि ये सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप नहीं बल्कि उनके व्यक्तिगत विचार थे।

न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि यह मेरा निजी विचार है कि 1950 में (जब संविधान बनाया गया था) जो भी आस्था थी, वह विभिन्न कारणों से काफी कम हो गई है। और मुख्य कारण यह है कि हम उचित कीमत पर गुणवत्तापूर्ण न्याय तक पहुंच प्रदान करने में सक्षम नहीं हैं। उनकी टिप्पणी बुधवार को दूसरे श्यामला पप्पू मेमोरियल व्याख्यान के दौरान आई, जिसका विषय था – भारतीय संविधान के 75 वर्षों के संदर्भ में न्याय तक पहुंच। न्यायमूर्ति ओका ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान हितधारकों के साथ अपनी बातचीत को याद किया और कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि न्यायाधीशों को हाथीदांत टावरों में नहीं रहना चाहिए।

हितधारकों के साथ अपनी बातचीत से मैं जो समझ सका वह यह है कि न्यायपालिका भारत के आम नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाई है। हम बहुत पीछे चल रहे हैं। संबोधन में उन्होंने कहा मेरे विचार में हमें यह पता लगाना चाहिए कि हमसे कहां गलती हुई है... हमें 75 साल पीछे मुड़कर देखना चाहिए और वस्तुत: एक ऑडिट करना चाहिए कि क्या अदालतों ने वास्तव में वह हासिल किया है जो आम आदमी चाहता था। ओका ने कहा कि भारत के स्वतंत्र होने के बाद, प्रत्येक नागरिक को कानूनी प्रणाली से बहुत अधिक उम्मीदें थीं।

# असम के सीएम नारद मुनि : जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंगकिता दत्ता और श्रीनिवास बीवी के बीच के मुद्दे को सुलझाया जा सकता था, लेकिन असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने नारदमुनि की भूमिका निभाई। श्रीनिवास के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद अंगकिता को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। श्रीनिवास के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद अंगकिता को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

जयराम रमेश ने कहा मैंने अंगकिता दत्ता से कई बार बात की है। वह मेरे आवास पर भी आई थीं। अंगकिता और श्रीनिवास दोनों संवेदनशील लोग हैं और इस मुद्दे को सुलझाया जा सकता था। लेकिन नारदमुनि ने बीच में प्रवेश किया और आप सभी जानते हैं कि यह नारदमुनि कौन हैं। भाजपा के पूर्वोत्तर के वाइसराय हिमंत बिस्वा सरमा। अंगकिता के पिता (अंजन दत्ता) एक प्रसिद्ध कांग्रेस नेता थे। अंगकिता ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि वह राहुल गांधी से न्याय की मांग करेंगी क्योंकि उन्हें

अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना पार्टी से निकाल दिया गया है। पिछले 10 महीनों से, मुझे निर्वासित कर दिया गया है। कहानी का मेरा पक्ष सुने बिना, मुझे पार्टी से निष्कासित कर दिया गया क्योंकि मैंने एक उत्पीड़क के खिलाफ न्याय मांगा था। इन पिछले 10 महीनों में मैं किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं हुआ।2023 में अंगकिता दत्ता ने श्रीनिवास बीवी पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया। बाद में उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था. यौन उत्पीड़न का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में है।

## कमलनाथ के बीजेपी से सांठ-गांठ वाले बयान पर पार्टी प्रवक्ता आलोक शर्मा को नोटिस

कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने पार्टी प्रवक्ता आलोक शर्मा को नोटिस भेजा है। आलोक शर्मा को ये नोटिस पार्टी के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने को लेकर मिला है। उन्हें दो दिनों के भीतर नोटिस का जवाब देने को कहा गया है। पार्टी की तरफ से आलोक शर्मा को ये नोटिस महासचिव (कम्युनिकेशन) जयराम रमेश के निर्देश पर मिला है। नोटिस में कहा गया है कि पार्टी के वरिष्ठ पद पर होने के बाद भी आपने न सिर्फ आधारहीन और भड़काऊ बयान दिए, बल्कि पार्टी और उसके वरिष्ठ नेताओं को कमतर दिखाने की कोशिश की। कांग्रेस पार्टी का सदस्य होने के चलते आपको मालूम है कि पार्टी अनुशासन पर जोर देती है और इसका पालन नहीं करने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

# चीनी खिलाड़ी ने नागल को दिया झटका

**» ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में हारे सुमित**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केनबरा। भारत के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल का ऑस्ट्रेलियन ओपन में सफर खत्म हो गया है। नागल चीन के शांग जुंग चेंग से हार गए। उन्होंने पहला सेट जीतकर अपने टूर्नामेंट की शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वो लगातार 3 सेट में हार गए। दूसरे दौर में सुमित को 18 वर्षीय चीन शांग जुंग चेंग के खिलाफ 6-2, 3-6, 5-7, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। नागल ने पहला सेट जीतकर अपने टूर्नामेंट की शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वो लगातार 3 सेट में हार गए।

सुमित की शुरुआत अच्छी रही थी और उन्होंने पहले सेट को आसानी से जीत लिया। लेकिन चीनी खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे सेट के चौथे गेम में सुमित की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद चीनी

खिलाड़ी तीसरे सेट को जीतने खिलाड़ी ने आसानी से दूसरा सेट जीत लिया। वहीं सुमित तीसरे और चौथे सेट में भी वापसी नहीं कर पाए और मुकाबला गंवा बैठे। वहीं आखिरी सेट चीनी खिलाड़ी ने 6-4 से जीता और मैच अपने नाम किया। दोनों के करीब थे, नागल ने चीनी खिलाड़ी को जोरदार टक्कर दी लेकिन वो इस सेट को बचा नहीं पाए। 7-5 से ये चीनी खिलाड़ी शांग जुंग चेंग ने जीत लिया। इससे पहले सुमित ने पहले दौर में कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर इतिहास रचा था। सुमित ने टूर्नामेंट में 31वीं सीड अलेक्जेंडर बुल्लिक को हरा दिया था।

सुमित नागल ने वह मैच 6-4, 6-2, 7-6 से जीता। ऐसा पहली बार हुआ जब किसी भारतीय पुरुष टेनिस खिलाड़ी ने सिंगल्स ग्रैंड स्लैम में किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराया हो।

# महुआ को कोर्ट से बड़ा झटका

## टीएमसी सांसद को खाली करना पड़ा सरकारी बंगला

**» दिल्ली हाईकोर्ट ने महुआ की याचिका को किया खारिज**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में घूस लेकर सवाल पूछने के मामले में लोकसभा से निष्कासित सांसद महुआ मोइत्रा को आखिरकार दिल्ली में अपना सरकरी बंगला खाली करना ही पड़ा। महुआ को दो दिन पहले एक बार फिर से बंगला खाली करने को लेकर नोटिस भेजा गया था। जिसके बाद महुआ ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। हाईकोर्ट ने महुआ की याचिका को खारिज कर दिया।

बता दें कि संसद में घूस लेकर सवाल पूछने के आरोप साबित होने के बाद 8 दिसंबर 2023 को महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता खत्म कर दी गई थी। इसके बाद उनको दो बार सरकारी बंगला खाली करने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। तीसरी बार उन्हें तुरंत बंगला खाली करने का नोटिस भेजा गया था। बता दें कि महुआ तो यह बंगला लोकसभा सांसद के तौर पर आवंटित किया गया था, लेकिन सदस्यता रद्द होते ही उनसे बंदाल खाली करने को कहा गया। महुआ मोइत्रा के वकीलों ने तर्क दिया था कि टीएमसी नेता लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार हैं। सांसदों को आम चुनाव से पहले संसद सत्र के आखिरी दिन से लेकर नतीजों के दिन तक अपने घरों में रहने की अनुमति है, महुआ को उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है, इसलिए यह उन पर भी यह लागू होना चाहिए। लेकिन शायद हाई कोर्ट इस तर्क से सहमत नहीं था, इसीलिए महुआ की याचिका को खारिज कर दिया गया।

### न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया की पीठ ने सुनी बहस

तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा का मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया। पिछले साल लोकसभा से निष्कासन के कारण डीओई ने मोइत्रा को सरकारी बंगला खाली करने को कहा था। यह घर उन्हें संसद सदस्य के तौर पर आवंटित किया गया था। चूंकि वह अब सांसद नहीं हैं, इसलिए विभाग ने उनसे घर खाली करने को कहा है। संपदा निदेशालय केंद्र सरकार की आधिकारिक और आवासीय संपत्तियों का प्रबंधन और रखरखाव करता है।

# नीतीश से अचानक मिलने पहुंचे लालू और तेजस्वी

**» सियासी अटकलें हुईं तेज, सीटों के बंटवारे पर हो सकती है चर्चा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, जदयू के मुखिया व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे हैं। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव भी साथ हैं। लालू व तेजस्वी यादव की करीब आधे घंटे से नीतीश कुमार के साथ बातचीत चल रही है। माना जा रहा है कि उनके बीच लोकसभा चुनाव में सीट शेयरिंग के मुद्दे पर चर्चा हो रही है। हालांकि, सियासी जगत में नीतीश कुमार की नाराजगी की भी चर्चा आ रही थी।

अब देखने वाली बात होगी कि क्या दोनों पिता-पुत्र नीतीश कुमार को मनाने गए हैं या सीट शेयरिंग ही असली मुद्दा है। बता दें कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सीट शेयरिंग को लेकर जेडीयू, आरजेडी, कांग्रेस और वाम दल में खींचतान लगातार जारी है। जेडीयू जहां 16 सीट से कम पर मानने के लिए तैयार नहीं है तो वहीं कांग्रेस ने 10 सीट की डिमांड कर दी है। वहीं वाम दल ने 9 सीटों की मांग रखी है। अब आरजेडी के मुश्किलें खड़ी हो गई हैं कि वह कांग्रेस और वाम दल को कैसे समझाए। कहें तो दोनों दल आरजेडी के लिए सिरदर्द बने हुए हैं। माना जा रहा है कि सीट शेयरिंग के मुद्दे को नीतीश कुमार ही सही से सुलझा सकते हैं। इसलिए, लालू यादव और तेजस्वी यादव उनके पास पहुंचे हों, ताकि, इस मसले पर जल्द से जल्द फैसला हो सके। हालांकि, अभी किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

# घर में लगी आग, 5 लोग जलकर मरे

**» शॉट सर्किट या रूम हीटर की वजह से हुआ हादसा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पीतमपुरा इलाके के एक घर में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया है। आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गइ। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जान गंवाने वाले पांच लोगों में 2 पुरुष और 3 महिलाएं थीं। पुलिस ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला है। पहली और दूसरी मंजिल पर आग लगी थी। जानकारी के मुताबिक, शॉट सर्किट या रूम हीटर की वजह से आग लगने का शक है।

दमकल विभाग का कहना है कि घर में लकड़ी का सामान ज्यादा होने से आग तेजी से फैली है। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना रात 8 बजे मिली थी। यह घर पितमपुरा के जेडपी ब्लॉक में स्थित है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने 6 लोगों को रेस्कयू भी किया है। अधिकारियों ने बताया कि रात आठ बजे पीतमपुरा से आग लगने की सूचना मिली और दमकल की आठ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच की जा रही है।

# पूर्वी उत्तर प्रदेश में अभी और प्रचंड होगी ठंड

**» हिमालयी क्षेत्र की ओर से चल रही तेज पछुआ हवा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम विज्ञानियों का कहना है कश्मीर व हिमालय की ओर से आने वाली बर्फीली पछुआ पूरे क्षेत्र में जमकर डेरा डाल चुकी है, ऐसे में आने वाले चार-पांच दिनों तक तो ठंड से विशेष राहत की संभावना नहीं दिखती। बीएचयू के मौसम विज्ञानी बताते हैं कि हिमालयी क्षेत्र से उत्तर-पश्चिम की ओर से आने वाली हवा पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर इसके और आगे तक जमी हुई है।

सतह से डेढ़ किमी से दो किमी ऊपर काफी तेज पछुआ हवा है, जबकि सतह पर इसकी गति काफी कम है। सतह पर भी अगर हवा की गति बढ़ी तो ठंड में और प्रचंड वृद्धि हो जाएगी। नीचे से ऊपर तक बह रही पछुआ के चलते अभी परिदृश्य में जल्द कोई बदलाव का लक्षण नहीं दिख रहा। इसलिए चार-पांच दिनों तक गलन भरी ठंड का सामना तो करना ही है।

### एनसीआर में ठंड से कुछ राहत

देश की राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह ठंड से कुछ राहत मिली। आज सुबह यहां का तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य तापमान से एक डिग्री कम है। हालांकि तापमान में बढ़त का असर गलन में नहीं दिखा। दिल्ली-एनसीआर में तापमान में वृद्धि के बाद भी गलन और ठिठुरन से लोगों को राहत नहीं मिली है। इसके साथ ही आज सुबह 4 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर दृश्यता शून्य मापी गई जिसमें धीरे-धीरे सुधार हुआ लेकिन इसके चलते कई उड़ानें प्रभावित हुईं।

# नहीं थम रही मणिपुर में हिंसा

## घटना में विदेशी ताकतों के शामिल होने से इंकार

**» दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी, पांच की मौत**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में एक बार हिंसा की आग फिर से भड़क उठी है। हिंसा की आग महीनों के बाद भी लगातार सुलगती जा रही है। 17 जनवरी की रात और 18 जनवरी की सुबह मणिपुर के कई जिलों में हिंसा की घटना देखने को मिली है। इस दौरान पांच लोगों की मौत हो गई है। इस हिंसा में सीमा सुरक्षा बल के तीन जवान घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के बीच प्रदेश के बिष्णुपुर जिले में शाम चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना निंगथौखोंग खा खुनौ में हुई। उसने बताया कि मरने वालों में एक व्यक्ति और उसके 60 वर्षीय पिता शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने मारे गए लोगों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। गोलीबारी में बचे एक व्यक्ति के हवाले से एक अधिकारी ने बताया, ''जब मजदूर खेत में सिंचाई कर रहे थे तभी पांच से छह हथियारबंद बदमाश आए और उन्हें नजदीक से गोली मार दी। अधिकारी ने बताया कि उन्हें गोली मारने के बाद बदमाश उन पहाड़ी इलाकों की ओर भाग गए, जहां से वे आए थे। इसी के साथ राज्य में बुधवार से अब तक करीब सात लोगों की हत्या की जा चुकी है जिनमें पुलिस के दो कमांडो भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक 18 जनवरी को सुबह के कई हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए हैं। मणिपुर में हुई घटना को लेकर राज्य सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह का कहना है कि म्यांमार की सीमा पर स्थित मोरे शहर में पुलिसकर्मियों पर बुधवार को हमले हुए थे। उससे पहले जानकारी आई थी कि विद्रोही पुलिस पर हमला कर सकते है। घटना में विदेशी ताकतों के शामिल होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

### खेत में काम कर रहे थे लोग

मृतक पिता-पुत्र के परिवार के सदस्यों का कहना है कि वो दोनों निंगथौखोंग खा खुनौ मनिंग में एक जल आपूर्ति योजना के माध्यम से पानी उपलब्ध करा रहे थे, जबकि थ सोमेंद्रो जल आपूर्ति के पास अपने केले के खेत में काम कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, गोलियों की आवाज सुनने के बाद जब आसपास के ग्रामीण इलाके की जांच करने गए तो उन्हें उनके शव एक-दूसरे के बगल में पड़े हुए मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस क्षेत्र में उनका खेत स्थित है, उसके आसपास कोई कुकी गांव नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।